gramodayachitrakoot.ac.in

ग्रामोदय संदेश

■ शनिवार, 26 फरवरी, 2022 ■ वर्ष 21 ■ अंक 01 ■ पेज 4 ■ मूल्य : नि:शुल्क ■ वेबसाइट पर देखें ई-न्यूज लेटर

विश्वविद्यालय के मार्गदर्शक

श्री मंगूभाई पटेल जी
(राज्यपाल)

श्री शिवराज सिंह चौहान जी
(मुख्यमंत्री)

श्री डॉ. मोहन यादव जी
(उच्च शिक्षा मंत्री)

भारत रत्न नाना जी देशमुख की 12 वीं पुण्यतिथि पर विशेष आयोजन, 26 व 27 फरवरी को राष्ट्रीय सेमिनार

नानाजी के शैक्षिक चिंतन पर देशभर के प्रख्यात शिक्षाविद करेंगे मंथन

चित्रकूट। भारतरत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख ने वैसे तो जीवन के अनेक आयामों पर अपने विशिष्ट चिंतन की छाप थोड़ी है परंतु उनका सामाजिक और शैक्षिक चिंतन अति विशिष्ट है। 27 फरवरी 2022 को आयोजित होने वाली नाना जी की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनका शैक्षिक चिंतन ही कार्यक्रम और आयोजनों के केंद्र में होगा। दीनदयाल शोध संस्थान और महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 26 और 27 फरवरी को उद्यमिता परिसर चित्रकूट में एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन नाना जी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला का सबसे प्रमुख आकर्षण होगा। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में मध्य प्रदेश के सभी शासकीय और अशासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं देश के 12 से अधिक राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति सहभागिता करेंगे। आयोजन का मुख्य बिंदु राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन होगा। संस्तुतियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्रीय और राज्य सरकारों को प्रेषित किया जाएगा। राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजक प्रोफेसर एन सी गौतम को बनाया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने विश्वविद्यालय के आयोजन दायित्व को साझा कर रहे हैं। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

नागरिकों के प्रतिबद्धता के प्रति समर्पित रहा ग्रामोदय का गणतंत्र पर्व

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में गणतंत्र पर्व गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने गांधी जी-नाना जी की प्रतिमाओं में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात ग्रामोदय विवि परिवार आजादी के अमर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करने शहीद गांव पिडरा गया। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और शोध छात्र-छात्राएं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों के घर गए और शहीद स्मृति स्तंभ में उनके पारिवारिक जनों के साथ श्रद्धावनत हुए। कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने शहीद स्मृति स्तंभ में पुष्पों की आकर्षक लड़ी भेंट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पूर्व ग्रामोदय विश्वविद्यालय के रजत जयंती भवन में कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने अपने संबोधन में गणतंत्र के महत्वपूर्ण पहलुओं को स्पर्श करते हुए कहा कि सभी लोग अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी के साथ अपने दायित्व निर्वहन का संकल्प लेवें, यहीं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को वास्तविक श्रद्धांजलि होगी।

14 से 16 मार्च तक ग्रामोदय में होगा यंग साइंटिस्ट कांग्रेस

चित्रकूट। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के मौके पर मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के तत्वावधान और महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से ग्रामोदय विवि कैम्पस चित्रकूट में 14 से 17 मार्च 2022 के मध्य 37वीं मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक कांग्रेस का आयोजन किया जाएगा। इस आशय की जानकारी मध्यप्रदेश प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने अपने पत्र दिनांक 19 जनवरी 2022 के माध्यम से ग्रामोदय विवि को देते हुए इस प्रतिष्ठित आयोजन के प्रति ग्रामोदय विवि के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा की रुचि के लिए धन्यवाद भी दिया है। ज्ञातव्य है कि ग्रामोदय विवि के संस्थापक कुलाधिपति भारतरत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख के जीवन काल मे ग्रामोदय विवि को मध्यप्रदेश यंग साइंटिस्ट कॉंग्रेस की मेजबानी करने का मौका मिल चुका है। आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर इस आयोजन को ग्रामोदय विवि में सम्पन्न करने के पुनः अवसर प्राप्त हुआ है। इस आयोजन में वैज्ञानिक, शोधकर्ता, विज्ञान और तकनीकी संस्थान, विकास कार्यकर्ता हाईब्रिड मोड में अपनी सहभागिता कर सकेंगे। इस दौरान विज्ञान और तकनीकी के विभिन्न आयामों को समर्पित तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। वैज्ञानिकों के शोध पत्रों का वाचन, विचार विमर्श और यंग साइंटिस्ट अवार्ड सेरेमनी 37वे मध्यप्रदेश यंग साइंटिस्ट अवार्ड का मुख्य आकर्षण होगा।

कुलपति की कलम से ....

यह विश्वविद्यालय भारतरत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख द्वारा स्थापित किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने नाना जी की ग्रामोदय संकल्पना और कार्यशैली के अनुरूप एक विशेष अधिनियम के माध्यम से की है। अस्तु मेरा प्रयास होगा कि नाना जी के द्वारा निर्धारित युगानुकूल विशिष्ट उद्देश्य यथा- शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार व प्रशिक्षण की गतिविधियां संचालित हो। हमारा ग्रामोदय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए नित नवाचार कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए हमें आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप पर चलना होगा, तभी हमारा ग्रामोदय विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर होगा। हमारे विश्वविद्यालय की अलग कार्यशैली और अलग प्राथमिकताएं हैं। गांधी जी और नाना जी की भावना के अनुरूप ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रसार व प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अध्ययन-अध्यापन व अनुसंधान को और भी गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में प्रसार निदेशालय पुनर्गठित किया जा रहा है। शिक्षा, अनुसंधान व प्रशिक्षण गतिविधियां तो संचालित हो रही हैं। दीनदयाल शोध संस्थान और श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट को साथ लेकर गांव-गांव में प्रसार कार्य किये जा रहे हैं। संस्थापक कुलाधिपति भारतरत्न नाना जी की ग्रामोदय परिकल्पना को यथार्थ का धरातल प्रदान करने में मुझे सहित पूरा ग्रामोदय परिवार निष्ठा और पूरी तन्मयता से लगा है और आगे भी लगा रहेगा। मोहकमगढ़ सहित ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांव और वहाँ की आबादी के कल्याण के लिए ग्रामोदय शिक्षा के माध्यम से विकास का अभिनव मॉडल विकसित करने का अभियान संचालित कर रहा है। मोहकमगढ़ में माह में एक दिन स्वास्थ्य और स्वच्छता का शिविर ग्रामोदय विश्वविद्यालय, दीनदयाल शोध संस्थान और सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। मेरा हरसंभव प्रयास होगा इस विश्वविद्यालय के वैशिष्ट्य के आलोक को पूरे देश में कीर्ति मिले और मेरे कार्यकाल में ही केंद्रीय विश्वविद्यालय बनकर महिमामंडित हो। हाल ही में हमने परीक्षा के बाद 24 घंटे से भी कम समय में परीक्षा परिणाम घोषित किया। नवाचार वर्तमान समय की मांग है। शिक्षा व्यवस्था को भी उसके अनुसार बदलाव कर रहे हैं।

प्रो.भरत मिश्रा...

हमारे नए कुलपति ...

प्रो. भरत मिश्रा

चित्रकूट। 28 नवंबर 2021 को मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल और कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक आचार्य प्रो. भरत मिश्रा को कुलपति पद पर नियुक्ति प्रदान की है। कुलाधिपति श्री पटेल ने प्रो भरत मिश्रा को 04 वर्ष की कालावधि के लिए कुलपति बनाया है। नए कुलपति के तौर पर प्रो भरत मिश्रा की नियुक्ति से विश्वविद्यालय परिवार और शुभचिंतकों में भारी प्रसन्नता है। प्रो. मिश्रा महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय के भौतिक विज्ञान विभाग में आचार्य के साथ साथ आई टी सेल के प्रमुख, सामुदायिक महाविद्यालय योजना के निदेशक भी है। जनवरी 1992 से लगातार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामोदय विश्वविद्यालय में अध्यापन,अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों का सफलता पूर्ण संचालन का अनुभव है। प्रो मिश्रा को भौतिक विज्ञान में मास्टर डिग्री व गैर पारंपरिक ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी ने अनुसंधान का विशिष्ट अनुभव है। विश्वविद्यालय अध्यापन के क्षेत्र में नवाचार के हिमायती प्रो मिश्रा ने व्याख्यान, शिक्षण, अनुसंधान के छेत्र में अभिनव प्रयोग भी किये हैं।

मा०कुलपति प्रो०भरत मिश्रा, महात्मा गांधी चित्रकट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट मा० उच्च शिक्षा मंत्री, डॉ०मोहनजी यादव से सौजन्य भेट करते हुये विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं पर चर्चा किया।

महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति, मध्य प्रदेश मा मंगुभाई जी पटेल से प्रो० भरत मिश्रा जी कुलपति, म०गॉ०चि०ग्रा०वि०वि० चित्रकूट की सौजन्य भेट

ग्रामोदय विवि के कृषि पाठ्यक्रमों को आईसीएआर का एक्रिडेशन मिला

चित्रकूट, 24 फरवरी। कृषि संकाय ,महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का बीते दिनों मूल्यांकन तथा प्रत्ययन, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ,नई दिल्ली द्वारा किये गए विशेषज्ञ दल के निरीक्षण और उनके प्रतिवेदन के आधार पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कृषि पाठ्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से अक्रिडेशन मिल गया है। आज मिले इस पत्र प्राप्ति के बाद विश्वविद्यालय कैम्पस में हर्ष का वातावरण निर्मित हो गया। विश्वविद्यालय के मार्गदर्शक कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्रा द्वारा समय-समय पर दिए गए उनके दिशा निर्देशों के परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय को यह अवसर प्राप्त हुआ। अधिष्ठाता, कृषि संकाय ने बताया कि कृषि संकाय अब भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं तथा विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रवेश परीक्षाओं में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकेंगे तथा प्रवेश पा सकेंगे। उन्होंने बताया कि कृषि संकाय अन्य कृषि विश्वविद्यालयों की भाति कृषि की शैक्षणिक गुणवत्ता ,अनुसंधान , प्रसार एवं प्रशिक्षण में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मानकों के अनुरूप कार्यक्रमों को मूर्त रूप दे सकेगा । इस उपलब्धि से मध्य प्रदेश के साथ ही भारत के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं तथा किसानों को निश्चित रूप से ही एक नई दिशा प्राप्त हो सकेगी।

प्राकृतिक खेती कर किसान अपनी आय दोगुनी करें

चित्रकूट। 30 दिसम्बर 2021 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कृषि संकाय परिसर में कृषि विभाग उत्तरप्रदेश द्वारा संचालित आत्मा परियोजना के अंतर्गत जालौन जिले से आए 36 किसानों के दल के किसान सदस्यों को आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। कृषि प्राध्यापक डॉ वाई के सिंह ने किसानों का आवाहन करते हुए कहा कि वे प्राकृतिक कृषि अपना कर अपनी आय दुगनी करें। दो दिनों के लिए आये प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम में किसान दल का संयोजन आशा ग्रामोत्थान संस्थान उरई-जालौन ने किया है।

विश्वविद्यालय में आवासीय कृषक प्रशिक्षण सम्पन्न

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के चित्रकूट प्रवास का प्रभाव

आदिवासियों व वनवासियों के सर्वांगीण विकास में जुटा ग्रामोदय विवि, सद्गुरु ट्रस्ट और डीआरआई

चित्रकूट। मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल और विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल के चित्रकूट प्रवास का व्यापक असर 02 जनवरी 2022 को मोहकमगढ़ गांव में प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिला। चित्रकूट के समग्र विकास के काम मे लगे महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट और दीनदयाल शोध संस्थान ने संयुक्त रूप में मिलकर नवागत कुलपति प्रो भरत मिश्रा के आवाहन और पहल पर आदिवासी गांव मोहकमगढ़ में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। नववर्ष के दूसरे दिन अमावस्या तिथि को आयोजित इस शिविर में आए बच्चों और ग्रामीणों का चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ़ ने स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई। इस अवसर पर ग्रामोदय विवि के कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने अपने मार्गदर्शक उद्बोधन में चित्रकूट की तीनों विकास संस्थाओं के मिलकर काम करने की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए चित्रकूट की सेवा त्रिवेणी माना। आरोग्यधाम के महाप्रबंधक डॉ अनिल जायसवाल व महिला एवं बाल विकास अधिकारी संजय उरमलिया ने इस संयुक्त प्रयास को ग्रामीण क्षेत्र की अभिनव पहल माना ज्ञातव्य है कि बीते नवम्बर माह की 17 तारीख को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता के लिए अपने तीन दिवसीय चित्रकूट प्रवास में आए महामहिम राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने आदिवासी बहुल गांव मोहकमगढ़ विद्यालय अवलोकन कर बच्चों के साथ चर्चा की थी।तत्पश्चात मोहकमगढ़ गांव के बच्चों में ज्ञान के संचार और ग्रामवासियों के स्वास्थ्य की

आवश्यकता को महत्वपूर्ण माना था। महामहिम राज्यपाल श्री पटेल ने अपने चित्रकूट प्रवास के दौरान ग्रामोदय विवि, श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट व दीनदयाल शोध संस्थान का भ्रमण कर इनके द्वारा संचालित गतिविधियों को भी रुचि पूर्वक देखा था। ग्रामोदय विवि के कुलपति पद का कार्यभार संभालने के बाद प्रो भरत मिश्रा मोहकमगढ़ गांव गए और महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की भावना के अनुरूप चित्रकूट के समग्र विकास में लगी विकास संस्थाओं के साथ आदिवासी बहुल मोहकमगढ़ गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने की घोषणा की और कुलपति प्रो भरत मिश्रा की पहल पर दिसम्बर माह में पहला स्वास्थ्य शिविर लगा। सौजन्य भेंट व सफलता के आंकड़ों की प्रस्तुति के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री पटेल के मार्गदर्शन के अनुसार वर्ष 2022 का पहला स्वास्थ्य शिविर चित्रकूट की तीनों विकास संस्थाओं के सहयोग से सम्पन्न हुआ, जिसमें आयुर्वेद, एलोपैथिक, दन्त चिकित्सा से संबंधित रोगी थे। इस दौरान आरोग्यधाम के चिकित्सकों द्वारा क्षेत्रीय औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी गयी तथा रोगानुसार उनका उपयोग बताया गया।इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम दंत चिकित्सा यूनिट के प्रभारी डॉ वरुण गुप्ता, आयुर्वेद चिकित्सक डॉ पूनम, डॉ राजीव शुक्ला व राजेन्द्र पटेल तथा कामता प्रसाद गौतम रहे। श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट के जानकीकुण्ड चिकित्सालय के एलोपैथ चिकित्सक डॉ राजेश पांडे, डॉ विवेक द्विवेदी, डॉ ए बी एस राजपूत एवं कालीचरण कौटारय व देवकुमार यादव तथा ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ राकेश कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, विनोद कुमार गुप्ता एवं एमबीए ग्रामीण प्रबंधन के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने अपना योगदान दिया।

ग्रामीण समस्याओं के निदान के संकल्प के साथ पीएचडी

कोर्स वर्क की नियमित कक्षाएं 03 मार्च 2022 से प्रारंभ होगी

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पीएचडी पाठ्यक्रम में सत्र 2021-22 में प्रवेश के लिए सफल अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों की जांच, आवेदित विषय से संबंधित संकाय में 28 फरवरी 2022 तक की जाएगी। अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों की जांच एवं ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित शुल्क भी जमा करने की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2022 निर्धारित की गई है। यूजीसी के पीएचडी रेगुलेशंस के अनुसार अनिवार्य कोर्स वर्क की नियमित कक्षा दिनांक 03 मार्च 2022 से विश्वविद्यालय में प्रारंभ होगीं। कोर्स वर्क की कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति 80 प्रतिशत अनिवार्य की गई है। विस्तृत विवरण के लिए पीएचडी प्रवेश हेतु सफल अभ्यर्थी विश्व विद्यालय की वेबसाइट से अपेक्षित अभिलेखों/प्रपत्र आदि अन्य विवरण की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल के सदस्य अभय महाजन के किया शुभारंभ

विद्यार्थियों की आध्यात्मिक चेतना के लिए प्रार्थना सभा

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा के मार्गदर्शन पर वैल्यू एंड सोशल रेस्पोंसबिल्टी पाठ्यक्रम के अंतर्गत पूर्व में संचालित गतिविधि प्रार्थना सभा को ग्रामोदय परिसर में पुनः शुरू कर दिया गया है। प्रबंध मंडल के सदस्य और दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री महाजन ने प्रार्थना सभा के पुनः आरंभ किये जाने की सराहना करते हुए कहा कि भारतरत्न नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित ग्रामोदय विश्वविद्यालय की विशिष्ट कार्यशैली और संचालित गतिविधियों के कारण ही इसका गौरव सदैव ही महिमा मंडित होता रहा है। यदा कदा कतिपय राजनीतिक आदि कारणो से गतिरोध भी उत्पन्न हुआ है। अब सकारात्मक स्थिति के चलते हम सब को मिलकर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के रूप में खड़ी इस उच्च शिक्षा संस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिमामण्डित करने का सामूहिक प्रयास करना चाहिए। श्री महाजन ने विश्वास दिलाया कि सामाजिक जीवन मे अर्जित संपर्कों का उपयोग ग्रामोदय विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिये करने में मुझे प्रसन्नता होगी। इस विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो भरत मिश्रा इसके स्थापना काल से जुड़े हैं और श्रधेय नानाजी के साथ रहकर काम करने का व्यवहारिक अनुभव इनके पास है। कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने इस विश्वविद्यालय के गौरव को बढ़ाने वाले कार्यक्रम के तौर पर प्रार्थना सभा को निरूपित करते हुए कहा कि इसके माध्यम से स्वर्गीय पूर्व कुलपति प्रो टी करुणाकरन जी हमें याद आ रहे है। प्रार्थना सभा का पारंपरिक प्रारंभ मुख्य अतिथि अभय महाजन के करकमलों हुआ। तत्पश्चात बीएड की छात्राओं ने तीन बार ओम का उच्चारण कर विद्यादायिनी माँ सरस्वती की वंदना की। पत्रकारिता और जनसंचार माध्यमों के विशेषज्ञ, प्राध्यापक व निदेशक दूरवर्ती प्रो वीरेंद्र कुमार व्यास ने प्रार्थना सभा गतिविधि के पुनः प्रारंभ करने के पीछे कुलपति प्रो भरत मिश्रा की सदभावना, उद्देश्य और औचित्य पर विचार प्रस्तुत करते हुए प्रस्तावना रखी। विज्ञान संकाय के विद्यार्थी राहुल ने श्री मदभागवत गीता से ज्ञान मार्ग पर प्रकाश डाला। कृषि संकाय की छात्रा श्रेया तिवारी ने पढ़ी गई पुस्तक के रूप में स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व के माध्यम से समाधान का मार्ग बताया। अभियांत्रिकी संकाय की छात्रा उन्नति शुक्ला ने प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में भारतरत्न नाना जी के कृतित्व व कार्य दर्शन पर प्रकाश डाला। बीएड समूह की छात्राओं ने समूह गायन प्रस्तुत किया। विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय के प्राध्यापक प्रो घनश्याम गुप्ता ने सृजन के तौर पर हाफ मैराथन दौड़ में मिली सफलता के प्रेरक प्रसंग को बताया। प्रबंधन संकाय के विद्यार्थी निखिल मिश्रा ने एकल गायन प्रस्तुत किया।प्रार्थना सभा के संयोजक डॉ आर के पांडेय ने आवश्यक सूचना प्रस्तुत की ।

ग्रामीण विकास के संकल्पों को समर्पित रहा ग्रामोदय महोत्सव-2022

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में 8 से 12 फरवरी 2022 तक पांच दिवसीय ग्रामोदय महोत्सव का आयोजन किया गया। पांच दिनों के दौरान खेलकूद ललित कला एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं की पहचान हुई। ग्रामोदय महोत्सव के विशाल मंच से कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने आयोजित प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों एवं विद्यार्थी समूह को पुरस्कार स्वरूप शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

व्याख्यान माला में बोलें चिंतक बसवराज

ज्ञान के लिए पढ़ो न कि नौकरी के लिए

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित पंच दिवसीय ग्रामोदय महोत्सव के चौथे दिन 11 फरवरी 2022 को ग्रामोदय व्याख्यानमाला का प्रारंभ हुआ। नवाचार के रूप में प्रारंभ की गई इस उद्बोधन श्रृंखला के प्रथम आयोजन में कर्नाटक से पधारे ख्यातिलब्ध चिंतक लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्य ने अपनी बात रखी। 60 वर्ष की उम्र में राजनीतिक ऊंचाइयों को त्याग कर समाज के विकास के लिए समर्पित बसवराज गणपत राव पाटिल ने अपने अनुभव आधारित व्याख्यान से समा बांध दिया। उन्होंने युवाओं को भावी जीवन की सफलता के लिए पांच सूत्रीय निर्देश देते हुए कहा कि ज्ञान के लिए पढ़ो न कि नौकरी के लिए, स्वावलंबी बनो है न कि दूसरों पर निर्भर रहने वाले बनो, न कि मांगने वाले पुरुषार्थी बनो, न कि पलायनवादी राष्ट्र का चिंतन करो, न कि स्वार्थ चिंतन। जिसे देखो वह शहर के विषाक्त वातावरण की ओर भाग रहा है, सब कुछ मुफ्त में मिल जाए, बिना परिश्रम के मिल जाए, इस भावना ने स्वावलंबन की भावना का ही समापन कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज हम ग्राम में विकास के नाम पर शहरीकरण कर रहे हैं, किसान जो सबको देने वाला है वह उपेक्षित और पीड़ित है। ग्राम को सुविधाओं से युक्त बना इसके सुरम्य वातावरण को बनाए रखना ही आज की सबसे बड़ी जरूरत है । नहीं तो शहरों के खराब वातावरण में रहने के लिए हम सब जवाबदार होंगे। गांधी जी और नाना जी के नाम से जुड़े इस विश्वविद्यालय को अपनी गतिविधियों और कान के जरिए गांव के लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना चाहिए।

विश्वविद्यालय का 31 वां स्थापना दिवस मनाया गया

चित्रकूट। 12 फरवरी 2022 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 31वां स्थापना दिवस गरिमामयी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति प्रोफेसर राजकुमार आचार्य रहे अध्यक्षता ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव डॉ अभय महाजन व सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट प्रमुख डॉ वी के जैन व समारोह संयोजक प्रो नंदलाल मिश्रा रहे।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति ने विद्यार्थियों को दिया आत्मनिर्भरता का मंत्र

पढ़ाई के साथ कमाई के अवसर खोजें : प्रो. भरत मिश्रा

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के तत्वावधान में ग्रामोदय विवि के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के कौशल शिक्षा उन्मुखीकरण कार्यक्रम में कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ कमाई के अवसर भी खोजना चाहिए। कुलपति प्रो मिश्रा ने बताया कि इस विश्वविद्यालय में कौशल शिक्षा के रूप में स्थापना काल से ही उत्पादन सह प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया जाता है, जबकि अब नई शिक्षा नीति -2020 में कौशल शिक्षा को विशेष महत्व दिया जा रहा है। उन्मुखीकरण कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंजी राजेश कुमार सिन्हा प्राचार्य सामुदायिक महाविद्यालय ने बताया कि कौशल शिक्षा क्या है तथा युवाओं को कौशल शिक्षा के अध्ययन की आवश्यकता क्यों है और कौशल शिक्षा का अध्ययन कैसे व कितना करना चाहिए, को भी समझाया। इंजी. सिन्हा ने कौशल शिक्षा अध्ययन के कारण युवाओं को मिल रहे हाई सैलरी पैकेज व उनके उज्ज्वल भविष्य सहित सफलता के अनेक उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल कौशल शिक्षा केन्द्र के माध्यम से विभिन्न ट्रेडों में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार अपने पाठ्यक्रम के साथ साथ एक विषय के रूप अथवा एक पृथक सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी कर सकता है। संचालन परीक्षा नियंत्रक डॉ ललित कुमार सिंह ने किया।

भारतरत्न राष्ट्रऋषि नाना जी की 12 वी पुण्यतिथि पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यअतिथि के रूप में पधारे मध्यप्रदेश के उच्चशिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव से सौजन्य भेंट करते कुलपति प्रो भरत मिश्रा साथ में ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल के वरिष्ठ सदस्य श्री अभय महाजन

कुलसचिव, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट जिला सतना द्वारा प्रकाशित